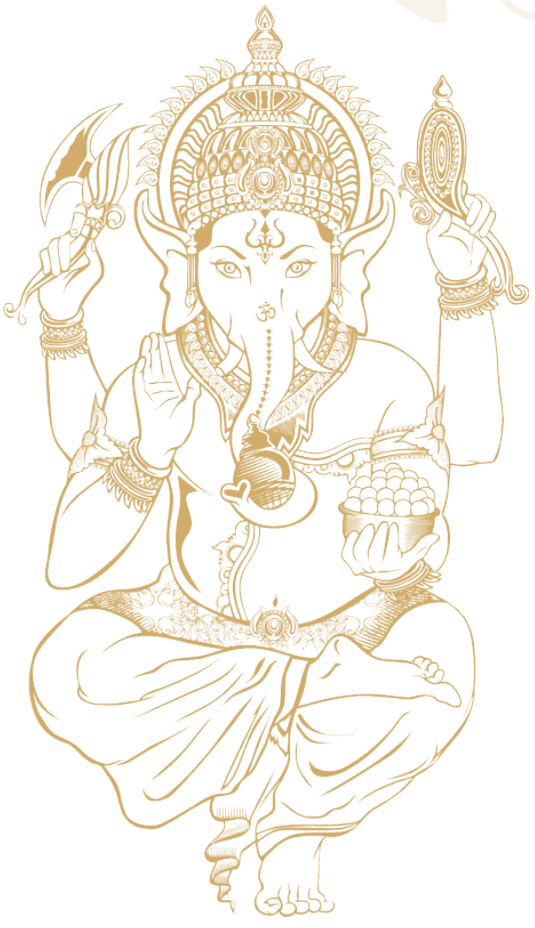

Mridul

Vaishali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120699403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
20-21/04/1994	जन्म तिथि	20/01/1995
बुध-गुरुवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 05:00:00	जन्म समय	11:10:00 घंटे
घटी 57:53:20	जन्म समय(घटी)	09:34:17 घटी
India	देश	India
Chandigarh	स्थान	Amritsar
30:43:00 उत्तर	अक्षांश	31:35:00 उत्तर
76:47:00 पूर्व	रेखांश	74:56:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:30:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:50:39	सूर्योदय	07:29:25
18:54:15	सूर्यास्त	17:53:11
23:46:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:29

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
केतु 6वर्ष 11मा 3दि		18:03:48	मीन	लग्न	मीन	19:36:59	शुक्र 15वर्ष 10मा 22दि	
सूर्य		06:51:56	मेष	सूर्य	मक	05:53:50	चन्द्र	
24/03/2021		00:08:31	सिंह	चंद्र	सिंह	16:04:12	12/12/2016	
25/03/2027		11:03:02	मीन	मंगल व	सिंह	06:53:17	13/12/2026	
सूर्य	12/07/2021	26:35:17	मीन	बुध	मक	24:35:13	चन्द्र	12/10/2017
चन्द्र	10/01/2022	17:11:27	तुला व	गुरु	वृश्चि	14:34:49	मंगल	14/05/2018
मंगल	18/05/2022	29:45:59	मेष	शुक्र	वृश्चि	19:10:21	राहु	12/11/2019
राहु	12/04/2023	15:32:29	कुंभ	शनि	कुंभ	16:00:13	गुरु	13/03/2021
गुरु	29/01/2024	00:13:58	वृश्चि व	राहु व	तुला	17:15:38	शनि	13/10/2022
शनि	10/01/2025	00:13:58	वृष व	केतु व	मेष	17:15:38	बुध	13/03/2024
बुध	17/11/2025	02:31:17	मक	हर्ष	मक	02:48:33	केतु	12/10/2024
केतु	24/03/2026	29:33:49	धनु	नेप	धनु	29:30:12	शुक्र	13/06/2026
शुक्र	25/03/2027	03:37:23	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	06:16:46	सूर्य	13/12/2026

लग्न-चलित

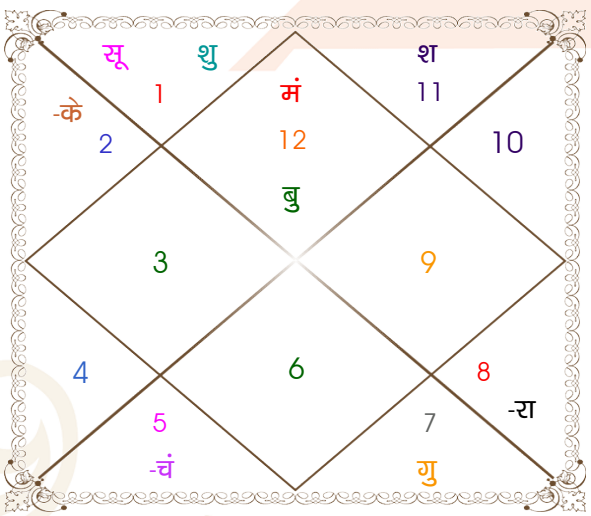

लग्न-चलित

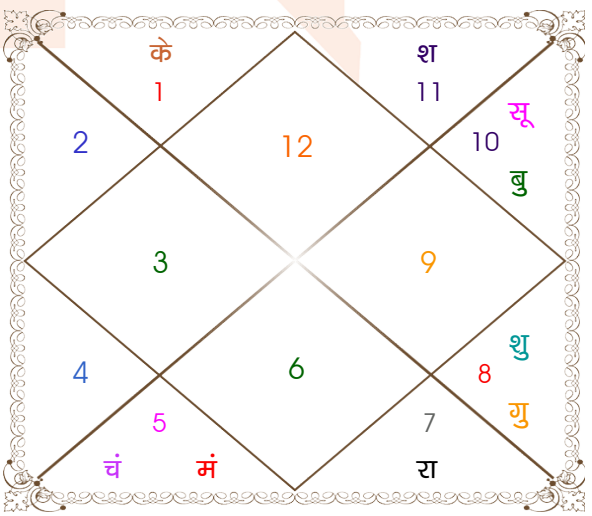

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	वनचर	वनचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मूषक	मूषक	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	सूर्य	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	सिंह	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	30.00		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

Mridul का वर्ग मूषक है तथा टंपींसप का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mridul और टंपींसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mridul मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

टंपींसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल टंपींसप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mridul तथा टंपींसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।